मैत्रेयी महाविद्यालय में दिव्यांगता विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का हुआ आयोजन

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज। **डीयू** से सम्बद्ध मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा आज दिव्यांगता विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। यह आयोजन मैत्रेयी महाविद्यालय के इनेबलिंग यूनिट, इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन एवं निःशक्त जनाधिकार परिषद्? (एआरडीपी एनजीओ) के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। वेबिनार का विषय डिसेबिलिटी : टीचिंग एंड लर्निंग एक्सेसिबिलिटी ड्यूरिंग कोविड-19 था, जिसमें भारत के 28 राज्यों से ढाई सौ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। गौरतलब है कि गूगल मीट से आयोजित हुए इस वेबिनार में सीट लिमिट 250 ही थी, जबकि पंजीकरण लगभग पांच सौ प्रतिभागियों ने कर रखा था, अतः प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दिया गया। वेबिनार में मुख्यरूप से कोविड-19 के दौरान दिव्यांगजनों के अध्ययन एवं अध्यापन की प्रमुख चुनौतियों को उपस्थापित कर उसके समाधान पर प्रकाश डाला गया। वेबिनार के द्वारा उत्तरकोविड काल में दिव्यांगजनों के प्रति नियोक्ता की मनोदशा का आंकलन करते हुए उनके लिए रोजगार की संभावनाएं एवं इसी दृष्टि से विभिन्न अनुकूल कार्यक्षेत्रों को चिह्नित करने के लिए मनोवैज्ञानिक मीमांसा भी प्रस्तुत की गयी। डॉ. धर्मेन्द्र द्वारा प्रस्तुत संस्कृत मंगलाचरण से आरम्भ हुए इस वेबिनार के उद्घाटन सत्र में मैत्रेयी महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. हरित्मा चोपड़ा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रस्तुत विषय पर आयोजित हो रहे वेबिनार की मुक्तकण्ठ से प्रशंसा की तथा दिव्यांगजनों के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व के अवबोध का भी आह्वान किया। दिव्यांगजनों में निश्चय ही विशिष्ट प्रतिभा होती है और वे किसी भी क्षेत्र में किसी से भी कथमपि कम नहीं होते हैं। आइएलए के जनरल सेक्रेटरी डॉ. ओएन चौबे ने सभी प्रतिभागियों एवं विद्वान वक्ताओं का स्वागत किया। इस अवसर पर काशी हिन्दू विश्वविद्याल के लाइब्रेरियन डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह, सुप्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्त्री एवं दिव्यांग मामलों की विशेष जानकार डॉ. रेनू मालवीय, भारत सरकार के दिली अवस्थित नेहरु युवा केन्द्र संगठन में बतौर सहायक निदेशक कार्मिक के पद पर कार्यरत श्री शैलेन्द्र पाठक एवं मैत्रेयी महाविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. प्रदीप राय ने दिव्यांगता से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखें तथा प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर भी दिया। समग्र वेबिनार का सुव्यवस्थित संयोजन एवं प्रस्तौता के कार्य डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने संभाला. जिसमें सुश्री स्वस्ति शर्मा, डॉ. अभिजीत सिन्हा, श्रीमती स्मृति सिंह, डॉ. कुमुद रानी गर्ग, योगेश चौरसिया ने सहर्ष सहयोग दिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर संस्कृत के उदीयमान विद्वान डॉ. अनिरुद्ध ओझा ने शान्तिपाठ किया। कार्यक्रम के अन्त में प्रायः सभी प्रतिभागियों ने वेबिनार से सम्बन्धित फीडबैक देते वक्त इसे अत्यन्त सफल एवं शानदार बताया तथा ऐसे और भी वेबिनार का आयोजन करने का आग्रह भी किया। वेबिनार की लोकप्रियता का आलम यह था कि जिन प्रतिभागियों को प्रवेश नहीं मिल पाया।